Baba’s Praise

05/02/2015

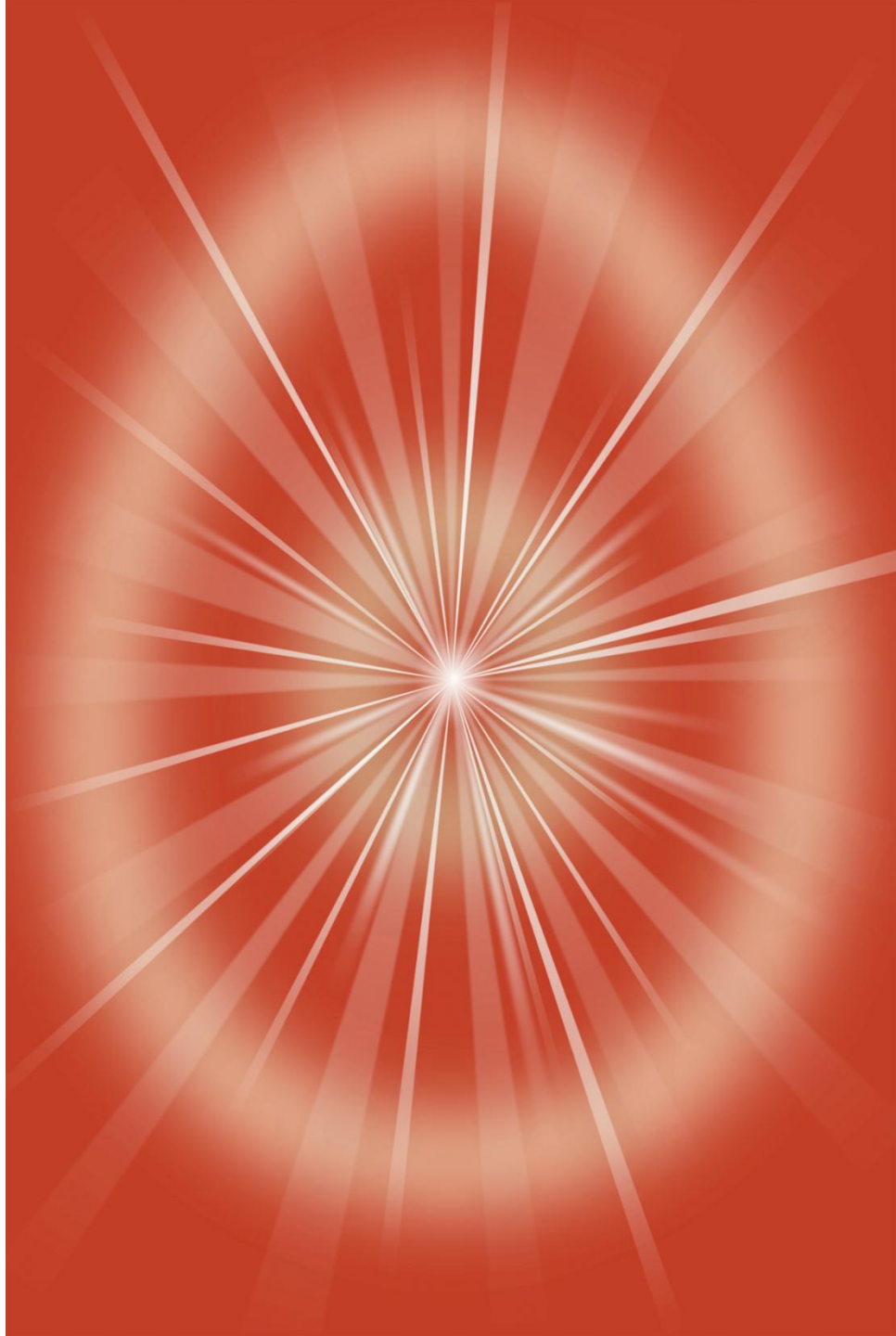

- मनुष्य कहते हैं हम पतित हैं, हे **पतित-पावन** आओ । परन्तु उनको जानते बिल्कुल ही नहीं ।

- यह सब बातें **बेहद का बाप** ही बैठ बच्चों को समझाते हैं ।

- जानते हो हम ब्राह्मणों को शिवबाबा **पढ़ाते** हैं । वह **पतित-पावन** है । हम सभी **आत्माओं को ले जाने** के लिए बाप आये हैं ।

- बाप समझाते हैं-यह सब ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारियाँ शिवबाबा से **वर्सा** ले रहे हैं, तुम लेंगे? ? **श्रीमत** पर चलेंगे?

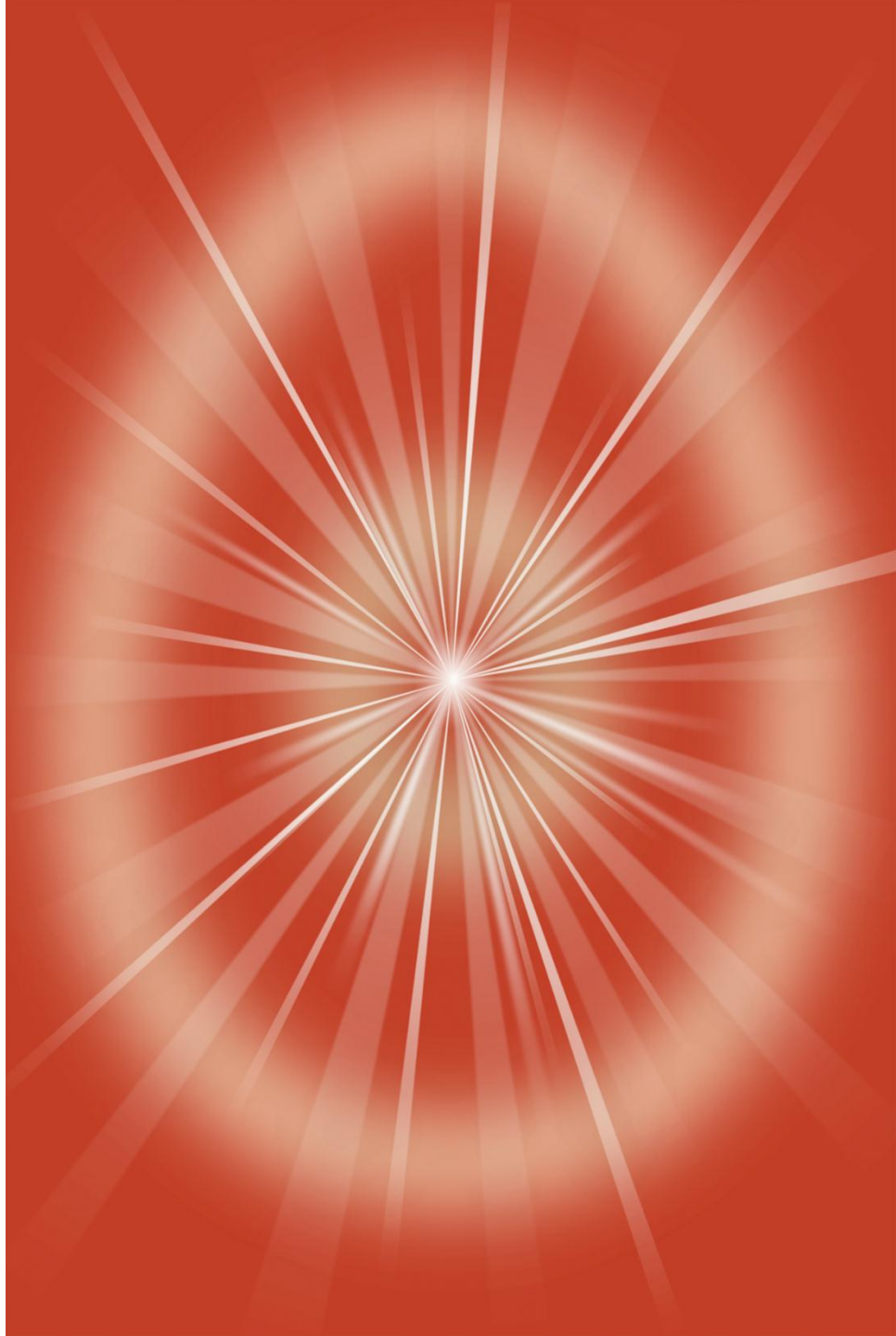

- अभी तुम बच्चे जानते हो हमको **बेहद के बाप** से **वर्सा मिलता** है ।

- शिव तो भगवान है वही **कल्प-कल्प आकर भारत को नर्कवासी से स्वर्गवासी, बेगर से प्रिन्स बनाते** हैं । **पतित को पावन** बनाते हैं । वही सर्व के **सद्गति दाता** है ।

- बाबा हमको सारे **विश्व का मालिक बनाते** हैं । **सारा समुद्र, सारी धरनी, सारे आकाश का मालिक बनाते** हैं ।

- **भगवान** तो **एक बाप** ही है ।

- **पत्थर से पारस** सिवाए बाप के कोई बना न सके ।

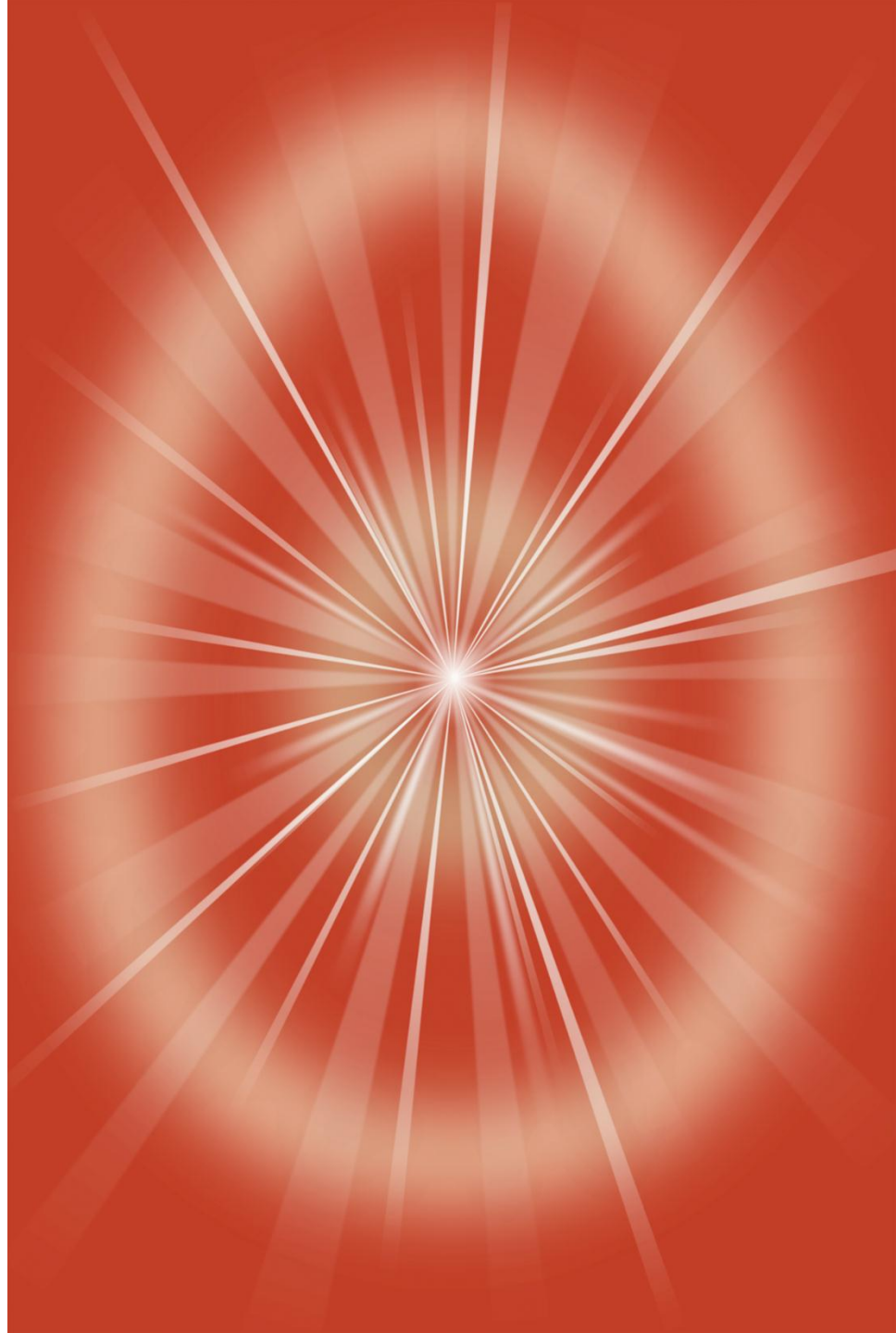

- अभी **तमोप्रधान हैं फिर बाप द्वारा सतोप्रधान** बन रहे हैं, ततत्वम ।

- यह है **ज्ञान अमृत** ।तुम्हारा नशा उतरना नहीं चाहिए, सदैव चढ़ा रहना चाहिए ।

- तो बाप समझाते हैं भक्ति मार्ग में कहते भी हो हे भगवान आकर हमारी **सद्गति** करो क्योंकि वह एक ही **सर्व का सद्गति** दाता है ।